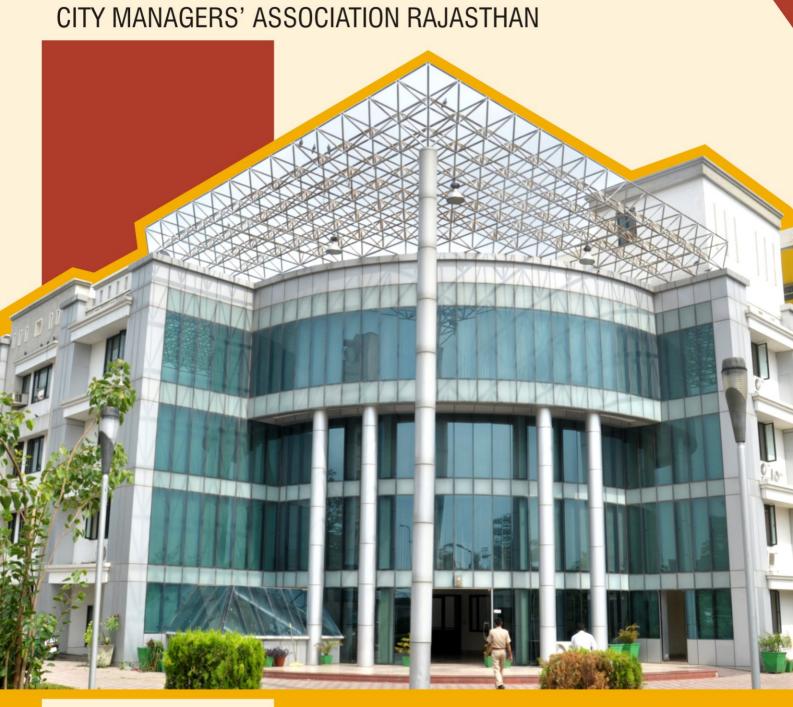
# CMAR



etter

newsletter issue XVII Jan., 2016

Promoting excellence in city management ...









# e-Newsletter Issue XVIIth Jan., 2016

Editor - in Chief : Shri Purushottam Biyani (IAS)

(Director cum Joint Secretary, LSGD, GoR)

Editorial Team & Compilation : Dr. Himani Tiwari

(Coordinator, CMAR)

Mr. Sharawan Kumar Sejoo (Research Assistant, CMAR)

Digital Typesetting : Mr. Arjun Pal

(IT Expert, CMAR)

**CMAR Team** : Mr. Sandeep Nama

(Research Investigator, CMAR)

Mr. Sitaram Verma (Assistant, CMAR)

#### **OUR SINCERE THANKS TO**

• Smt. Sanchita Bishnoi (RAS) (Add. Director, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)

• Smt. Preeti Mathur (RAS) (Project Director, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)

• Shri Hari Singh Rathore (RAS) (Commissioner, Jodhpur Municipal Corporation)

• Shri Hulas Ray Pawar (R.Ac.S) (Chief Account Officer, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)

• Smt. Madhu Rathore (R.Ac.S.) (Sr. Account Officer, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)

• Shri R.K. Vijayvagia (Sr. Town Planner, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)

• Shri Brijesh Pareek (PRO, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)

#### For suggestions/feedback please write to:

City Managers' Association Rajasthan, Room. No. 410, Directorate of Local Bodies,

G-3 Rajmahal Residency, Near Civil Lines, Railway Crossing, Jaipur-302015

Telefax: 0141-2229966 | Web: www.cmar-india.org | Email- cmar.rajasthan@gmail.com

Electronic version of this newsletter is also available on CMAR's website at: http://cmar-india.org/

# **Contents**

Ladnu: Polythene free ULB declared	1
राजस्थान के जयपुर एवं उदयपुर शहरों का ''स्मार्ट सिटी मिशन'' में चयन	3
स्वायत्त शासन विभाग की वेबसाईट का शुभारम्भ	5
नगरीय निकायों में 1947 रिक्त पदों के लिये भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ	6
Profile of Jodhpur City	7
सिटी प्रोफाईल : बाँसवाडा	9

# LADNU: POLYTHENE FREE ULB DECLARED

Ladnu is a city and municipality in Nagaur district of Rajasthan. It is also called as city of Jain temples & is famous for its religious & architectural importance. Salasar Balaji temple a famous pilgrimage of Hindus is situated at a distance of 15-20 from Ladnu.





Swachh Bharat Mission, an ambitious mission of Prime Minister, Narendra Modi, is a central government sponsored mission, launched in 2014, with the objectives of complete sanitation (through construction of IHHL, community toilets, Public toilets & solid waste management) by using various IEC (Information Education Communication) tools & building the capacity of ULB officials and is being implemented in all the cities of Rajasthan. In this process, Ladnu took the initiative of

making it a polythene free city.

It is a well known fact that plastic bags/polythene bags are contaminating our environment and are also harmful for animals as the plastic accumulates in their intestine & leads to slow starvation, asphyxiating the animal leading to death. The cheap bags contain chemicals such as cadmium or lead based chemicals that are harmful for health.



Given, India's poor garbage collection facilities, tons of plastic bags either find their way to sewers & waterways or litter on the roadside, preventing rainwater from seeping into the ground, eventually chocking the drains.

The remedy to this nuisance is recycle & reuse but that too is difficult & costly and mostly it ends up on landfill sites where it takes around 300 years to photo degrade. Though various alternatives to polythene bags such as paper, jute bags and cloth bags were introduced but they did not receive a good response.



In this direction, a campaign against polythene usage by "Jagrati Abhiyaan" was started by Sh. Vishal Rajan, Collector Nagaur. It soon became people's movement.

The community dwellers, spirituals leaders, and Parshads, all were roped in this campaign and people were made aware of the fact that polybags thrown with eatables inside are being eaten up by cows choke their system leading to death.

Advantages of Jute bags and paper bags over polythene bags were highlighted during the campaign like :

- Jute bags and paper bags are eco-friendly
- Jute and paper is 100% biodegradable and decomposable
- One hectare jute plant consume over 15 tonns of carbon dioxide and release about 11 tonns of oxygen
- Jute is cheap and cost effective
- Jute bags and paper bags are recyclable and reusable

Sub division officer, Mr. Murarilal Sharma stated that this campaign focussed on the religious beliefs of community. Even schools and colleges were approached as children & youth are considered to be the best ambassadors. Doctors voluntarily shared lectures on harmful effects of polythene in schools & colleges.

Re-enforcement by administration involved the fine-charge on shopkeepers with polythene bags.

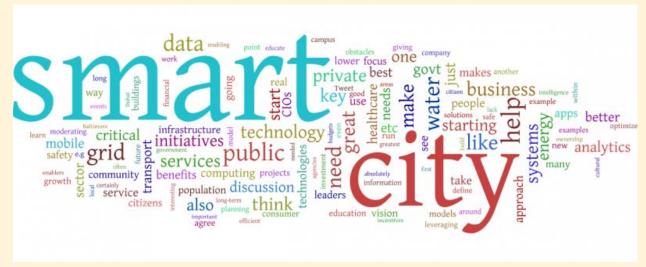
# राजस्थान के जयपुर एवं उदयपुर शहरों का "स्मार्ट सिटी मिशन" में चयन



स्मार्ट सिटी मिशन के तहत प्रथम चरण में विकसित किये जाने वाले 20 शहरों में राजस्थान के जयपुर और उदयपुर का चयन हुआ है। केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री श्री वैंकेया नायडू ने 28 जनवरी, 2016 को नई दिल्ली में 20 स्मार्ट सिटीज की घोषणा करते हुए बताया कि मिशन के अन्तर्गत पिंक सिटी जयपुर को तीसरे और झीलों की नगरीय उदयपुर का 16वें स्थान पर चयन हुआ है। "स्मार्ट सिटी मिशन" के तहत् इन शहरों को प्राथमिकता के आधार पर कोष जारी किया जायेगा जिससे इन शहरों में

आधारभूत संरचना, बेहतर संचार व्यवस्था, वैश्विक स्तर के बाजार एवं बुनियादी सुविधाएं विकसित की जा सके।

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत् विकसित किये जाने वाले राजस्थान के दोनों शहरों को विश्व स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित किया जायेगा और इनके विकास में स्थानीय लोगों की भागीदारी को भी सुनिश्चित करने की पूर्ण कार्य योजना बनाई जायेगी। राज्य सरकार द्वारा केन्द्र सरकार को जयपुर शहर को आगामी 5 वर्षों में स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित करने हेतु 2403 करोड़ रूपये तथा उदयपुर के लिए 1221 करोड़ रूपये के प्रस्ताव भेजे गये थे। स्मार्ट सिटी मिशन हेतु प्रस्ताव सबसे पहले राजस्थान ने ही भेजे थे।



उक्त मिशन के तहत् सम्पूर्ण देश के चयनित शहरों को स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित करने की घोषणा करते हुए केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री श्री नायडू ने कहा कि सरकार के इस कदम से देश के आर्थिक विकास को गति मिलेगी साथ ही मानव संसाधनों के विकास को नई ऊँचाईयों पर ले जाया सकेगा।

#### जयपुर के स्मार्ट सिटी प्लान इस प्रकार है:--

कुल प्लान — 2403.11 करोड़

- a. चार दिवारी सहित अल्बर्ट हॉल से जोरावरसिंह गेट तक का हिस्सा
- b. 600 एकड़ में एरिया वेस्ट विकास
- c. 16 स्विधाओं पर फोकस होगा
- d. 1521.40 करोड़ से विरासत, हैरिटेज पर्यटन वर्ल्ड क्लास पर ध्यान
- e. अल्बर्ट मॉल, रामनिवास बाग, जंतर—मंतर, हवा महल, सिटी पैलेस आदि एवं एम.आई. रोड़, जौहरी बाजार, चौड़ा रास्ता जैसे हैरिटेज बाजार बनाये जायेंगे।

#### अब आगे क्या?

चयनित दो शहरों के लिए विशेष प्रयोजन प्हीकल (एस.पी.वी) बनाएंगे। निजी पार्टी हिस्सेदार हो सकती है। लेकिन 49 फीसदी से अधिक नहीं। केन्द्रीय शहर मंत्रालय 200 करोड़ रूपये की पहली किश्त इस वित्त वर्ष में जारी करेगा।

# स्वायत्त शासन विभाग की वेबसाईट का शुभारम्भ



स्मार्टराज प्रोजेक्ट के अन्तर्गत नगरीय विकास आवासन एवं स्वायत्त शासन मंत्री श्री राजपाल सिंह शेखावत ने 09 जनवरी, 2016 को प्रातः 11:00 बजे स्वायत्त शासन भवन के कांफ्रेस हॉल में विभाग की वेबसाईट <u>www.lsg.urban.rajasthan.gov.in</u> का शुभारम्भ किया।

उन्हानें इस अवसर पर अधिकारियों को यह निर्देश

भी दिये की वर्तमान में स्मार्टराज के तहत Fourth Dimension द्वारा 23 मॉड्यूल्स पर काम किया जा रहा है। जिनमें से कुछ मॉड्यूल्स पर राज्य सरकार के कुछ विभागों द्वारा पूर्व में कार्य किया जा रहा है। ऐसे में मॉड्यूल्स का पुनः आंकलन कर कार्य का पुनः निर्धारण किया जाये। उन्होनें कहा कि स्मार्टराज प्रोजेक्ट में किये जा रहे कार्यों की गति धीमी है। जिसके लिए योजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें।

इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग डॉ. मनजीत सिंह ने बताया कि प्रदेश में ''एकल राज्य स्तरीय सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन'' (इन्टरनेट आधारित) के माध्यम से नगरीय निकायों के कार्यों में पारदर्शिता आयेगी तथा नागरिकों के कार्यों का शीघ्रता से समाधान हो सकेगा तथा निकायों की आय बढ़ेगी तथा रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा। उन्होनें बताया कि विभागीय वेबसाईट प्रदेश के नागरिकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। इस अवसर पर निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव, श्री पुरूषोत्तम बियाणी एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

# नगरीय निकायों में 1947 रिक्त पदों के लिये भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ



नगरीय निकायों में विभिन्न संवर्गी के 1947 रिक्त पदों को भर्ती के माध्यम से पूर्ण करने के लिए स्वायत्त शासन विभाग द्वारा विज्ञप्ति जारी कर On Line आवेदन के लिए प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। उक्त पदों पर राजस्थान

नगरपालिका (प्रशासनिक, तकनीकी, अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक) सेवा चयन आयोग द्वारा ऑन—लाईन आवेदन हेतु www.recruitmentdlb.com पर प्राप्त किये जा रहे है सम्बन्धित पदों के लिए विस्तृत जानकारी एवं निर्धारित पाठ्यक्रम (Syllabus) सीएमएआर की वेबसाईट www.cmarindia.org से ली जा सकती है।

प्रमुख शासन सचिव डॉ. मनजीत सिंह ने बताया कि राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 328,337 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत् अधिशाषी अधिकारी चतुर्थ के 47 पद, स्वास्थ्य अधिकारी के 26 पद, सहायक अभियन्ता (पर्यावरण व ठोस कचरा प्रबन्धन) 50 पद, राजस्व निरीक्षक 73 पद, लिपिक ग्रेड—॥ 500 पद, फायरमैन 610 पद, वाहन चालक फायर 193 पद, सहायक नगर नियोजक 20 पद, राजस्व अधिकारी—॥ 20 पद, सहायक अभियन्ता सिविल 501 पद, सहायक अभियन्ता विद्युत 16 पद, सहायक अभियन्ता यान्त्रिकी 9 पद, सहायक राजस्व निरीक्षक 92 पद, सहायक अग्निमन अधिकारी 19 पद, सफाई निरीक्षक 78 पद, कनिष्ठ लेखाकार 118 पद एवं विरिष्ठ प्रारूपकार के 26 पदों की भर्ती की जायेगी। उक्त पदों के भर्ती पश्चात् नगरीय निकायों में कर्मचारियों की कमी नहीं होगी एवं आमजन के कार्यों को गित मिलेगी।

स्वायत्त शासन विभाग द्वारा उक्त पदों हेतु ऑन—लाईन परीक्षा आयोजित की जाकर नियुक्ति प्रदान की जायेगी।

# PROFILE OF JODHPUR CITY



#### **GEOGRAPHICAL STATUS**

Jodhpur district is among the largest districts in the state of Rajasthan. It is centrally situated in the western region of the state, and covers a total geographical area of 22850 Sq. kilometers. Jodhpur district lies between 26 degrees 0 minutes and 27 degrees 37 minutes north latitude and 72 degrees 55 minutes and 73 degrees 52 minutes east longitude. It is bounded by Nagaur in the east, Jaisalmer in the west, Bikaner in the north and Barmer and Pali in the South. The total length of the district from north to south is about 197 Kms and from east to west it is about 208 Kms. The district of Jodhpur lies at a height of 250-300 metres above sea level.

#### **TOPOGRAPHY**

This district comes under the arid zone of the Rajasthan state. It covers 11.60 percent of the total area of arid zone of the state. Some of the area of the great Thar Desert in India also comes within the district. General slope of the terrain is towards west. Extreme heat in summer and cold in winter is the characteristic of the desert. Jodhpur is no exception.

There is no perennial river in the district. However, there are important rivers in the district viz. Luni River 'and Mithri River though their base is saline water. Main sources of irrigation besides rainwater are dug-wells and tube-wells. The highest-irrigated area in the district is in Bilara Tehsil followed by Bhopalgarh and Osian tehsil.

#### **CLIMATE, TEMPERATURE AND RAINFALL**

The climate of Jodhpur is generally hot and arid but with a rainy season from late June to September. Although the average rainfall is around 360 millimeters (14 in), it is extraordinarily variable. The temperature varies from 49 degrees in summer to 1 degree in winter. The Sandstorm (andhi) is a spectacle for people from other regions of India.

The rainy days are limited to a maximum of 15 in a year. Temperatures are extreme throughout the period from March to October, except when monsoonal rain produces thick clouds to lower it slightly. During these periods of heavy rain, however, the generally low humidity rises and this adds to the normal discomfort from the heat.

#### FOREST, FLORA AND FAUNA

Only 6948 hectares of the total reported area of land use in the district was covered under forests in 1999-2000. The forest area is available around the hills and is classified as any scrub thorn forest. Due to the sandy soil and dry climate of the district, only shrub and thorny bushes of vegetation are found in the forest areas of the district. The main species of trees are Vilayati Khejri (Prosopis - juliflora) and Kumat.

#### **WATER RESOURCES**

Balsamand Jheel is located in the north of Jodhpur City. Kailana Tank and Ummed Sagar are notable water reservoirs. There are two natural springs in the district namely the Beri Ganga and Ban Ganga. Besides, some of the important Tanks are Soorpura and Golejor bandhs, Pichiyak (Jaswant Sagar) and Birai Tank, which are maintained by the irrigation department.



#### **GEOLOGY AND MINERALS**

The district has ample stores of mineral wealth. The sand used in construction is found in abundance in Jodhpur Tehsil. Apart from this sand stone, 'Chhitar Stone' and Brown Stone are also found in rich quantity. Chhitar stone is being used mainly for the construction of roofs. Stone slaps, which are being used for construction of buildings, are found near Jodhpur City and Balesar.

Some mines of marble stone dolomite are found in Phalodi Tehsil. The mineral and the stone used for Emery Stone is found in Bhopalgarh. White clay is found near Pipar City, which is being used as a paste to join two stones. There are 156 quarries of lime stone. The lime stone is being used in lime, cement, rubber, steel and chemical works. apart from this quarries of Jasper are also found in the district.

# सिटी प्रोफाईल – बाँसवाड़ा

#### शहर का संक्षिप्त परिचय

बाँसवाड़ा शहर राजस्थान के दक्षिण भाग में स्थित एक ऐतिहासिक शहर है जो महाराजा जगमाल सिंह द्वारा भीलराज बाँसिया पर विजय प्राप्त करने के पश्चात् बसाया गया था।

बाँसवाड़ा अर्थात् ''बाँस का शहर'' को ''सौ टापुओं का शहर'' भी कहा जाता है क्योंकि माही नदी के समीप इसके छोटे छोटे द्वीप/टापू बने हुए है जो 'चाचाकोटा' के नाम से प्रसिद्ध है।



#### इतिहास

बाँसवाड़ा महरवाल रियासत का भाग था। कहा जाता है कि ''बाँसवाड़ा'' भीलराज बाँसिया के नाम पर बनाया गया था जिसकों महरवाल राजा जगमाल सिंह ने परास्त किया था। बाँसवाड़ा तबसे राजपूत जागीरदारों का हिस्सा बन गई।

बाँसवाड़ा राजस्थान के ''जलियाँवाला बाग'' के नाम से भी प्रसिद्ध है। 17 नवम्बर, 1913 में अंग्रजों द्वारा 1500 भीलों का नरसंहार किया गया था। जिसमें से 329 लोग गोलीबारी में मारे गए। अंग्रेजों की मांसाहारी व मदिरा आदि कुरीतियों



के विरोध में स्वामी दयानन्द सरस्वती के अनुयायी गोविन्द गुरू द्वारा भीलों के साथ मिलकर "भगत आंदोलन" चलाया गया। इस आंदोलन के दौरान मानगढ़ पहाड़ी पर जब गोविन्द गुरू अपने आंदोलन का संचालन कर रहे थे, अंग्रेजों ने 15 नवम्बर को उन्हें पहाड़ी छोड़ने के आदेश दिये। ऐसा न करने पर 17 नवम्बर, 1913 को मेजर एस.बेले व कप्तान ई स्टेले के नेतृत्व में तोपों व गोलाबारी द्वारा नरसंहार किया गया जिसमें करीब 1500 भील शहीद हो गए। आज उस स्थान को मानगढ़ धाम से जाना जाता है।

#### भौगोलिक स्थिति:-

बाँसवाड़ा गुजरात राज्य की सीमा पर स्थित एवं राजस्थान का सुदूर दक्षिण भाग में स्थित शहर है जो उत्तर में डूँगरपुर व उदयपुर सीमा से एवं उत्तर पूर्व में प्रतापगढ़ से जुड़ा हुआ है। शहर की कुल लम्बाई 72कि.मी. (उत्तर) व 53 कि.मी.(पूर्व से पश्चिम) है। इसका कुल क्षेत्रफल 5,037 वर्ग कि.मी. है।

बाँसवाड़ा की भौगोलिक स्थिति 23.55° उत्तर 74.45° पूर्व है व ऊँचाई 990 फीट है। यह उत्तर में 23. 11° से 23.56° व पूर्व में 73.58 से 74.49 डिग्री के मध्य स्थित है। यह उत्तर पूर्वी दिशा से प्रतापगढ़ व पूर्व में मध्यप्रदेश के रतलाम जिले से, पश्चिम से सगवाड़ा व उत्तर पश्चिम में डूँगरपुर जिले से जुड़ा हुआ है। माही नदी मध्य प्रदेश की अजमेरा पहाड़ियों से होते हुए बांगड़ (दक्षिण पूर्वी राजस्थान का इलाका जिसमें डूँगरपुर व बाँसवाड़ा जिले आते हैं) की और से गुजरात मे प्रवेश करती है व अरब सागर में समा जाती है। अनास, चौप, इरव, हिरण व कागदी माही नदि की सहायक नदियाँ है।

#### जलवायु

बाँसवाड़ा में अत्यधिक वर्षा (औसत वार्षिक वर्षा 82.59 से.मी.) होने के कारण राजस्थान का चेरापूँजी भी कहा जाता है। यहाँ का अधिकतम तापमान 45—46° सेलसियस व न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से 20 डिग्री सेलसियस होता है।

#### परिवहन

यहाँ पर रेल सुविधा के अभाव के कारण बस सेवा ही एकमात्र परिवहन का साधन है। जिला मुख्यालय परिवहन सेवा से रतलाम, डूँगरपुर, दाहोद व जयपुर से जुड़े हुए है। नजदीकी हवाई अड्डा बाँसवाड़ा से 165 कि.मी. दूर उदयपुर में है।

#### जनसंख्या

सन् 1941 में बाँसवाड़ा की कुल जनसंख्या 258,760 थी। सन् 2001 जनगणना के अनुसार बाँसवाड़ा की जनसंख्या 101,177 जिसमें 51 प्रतिशत पुरूष व 49 प्रतिशत महिलाएं थी।

#### शहरी जनसंख्या

बाँसवाड़ा जिले की जनसंख्या 2011 जनगणना के अनुसार 1,797,485 है जिसमें 907,754 पुरूष व 889,731 महिलाऐं है। बाँसवाड़ा की शहरी जनसंख्या कुल जिले की जनसंख्या की मात्र 7.10 प्रतिशत ही है। बाँसवाड़ा शहर की कुल जनसंख्या 1,27,621 है जिसमें लिंगानुपात 960 है व साक्षरता 85.72 प्रतिशत है।

शहरी आबादी अर्थात् महानगरीय (ULB Population) 1,27,621 है।

01. जनसंख्या वृद्धि दर (शहरी) 2001—2011 — 7.10

02. लिंगानुपात — 964

03. साक्षरता दर — 85.20

प्रतिशत (९१.० प्रतिशत पुरूष ७९.२६ प्रतिशत महिला

04. जन्म दर - 30.3

05. मृत्यु दर - 7.3

06. शुद्ध पेयजल — 71.50 प्रतिशत कवरेज

07. कच्ची बस्तियों की संख्या — 2958

08. कच्ची बस्तियों की कुल जनसंख्या — 11986

09. कच्ची बस्तियों में पेयजल उपलब्धता

10. कच्ची बस्तियों में शौचालयों की उपलब्धता — 2999

11. वार्डी की संख्या — 45

Financial - (X)

## प्रमुख संस्थानों का वर्णन

बाँसवाड़ा को छोटी काशी के नाम से भी जाना जाता है। इस शहर में बारह ज्योतिर्लिंग है। यहाँ 1,995 प्राथमिक व माध्यमिक स्कूल है, 283 सैकण्डरी व सीनियर सैकण्डरी स्कूल है। 2 सरकारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय व 8 गैर सरकारी महाविद्यालय है। तकनीकी शिक्षा हेतु एक सरकारी पॉलीटेक्नीक व एक इन्जीनियरिंग एवं 2 आई.टी.आई. महाविद्यालय है।

# प्रमुख उद्योग व संबंधित संस्थाऐं

बाँसवाड़ा में मार्बल बहुतायत में पाया जाता है। इसके अलावा खनिज में सोपस्टोन व मेग्नीज भी अधिक संख्या में पाया जाता है।

बाँसवाड़ा का अधिकतम भाग वन प्रदेश है (22.26 प्रतिशत) जिसमें टिम्बर, फायरवुड व चारकोल पाया जाता है। यहाँ टी, साल व बाँस भी पाया जाता है। अन्य पदार्थों में तेंदू पत्ते, पल्लगम, शहद, कत्था आदि भी पाये जाते है।

## प्रमुख मनोरंजन केन्द्र व पर्यटन स्थल

#### त्रिपुरा सुन्दरी मंदिर

यह माता का मंदिर सम्राट किनष्क के काल पहली सदी में बना था जो कि अल्लाद्दीन खिलजी द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था। परन्तु 1157 में पंचाल समाज द्वारा इसका फिर से निर्माण किया गया। मिन्दर में माता की काले पत्थर की मूर्ति है जिनके 18 हाथ हैं व प्रत्येक हाथ अस्त्र—शस्त्र से सुसज्जित है। यह एक प्रसिद्ध "शक्तिपीठ" के नाम से जाना जाता है व संपूर्ण भारत में इसकी मान्यता है।



## मदारेश्वर मंदिर



यह प्रसिद्ध शिव मंदिर एक प्राकृतिक गुफा में पहाड़ियों के बीच स्थित है। यह माही नदी के किनारे स्थित है।

# अबदुल्ला पीर

यह सूफी रसूल की दरगाह है जहाँ बोहरा मुस्लिम की मान्यता है। हर 'उर्स' पर इस दरगाह में मेला लगता है। वहाँ बोहरा जनजाति के लोग आते है।

#### आनन्द सागर झील

यह कृत्रिम झील महरवाल जगमी की रानी लाछी बाई द्वारा ''कल्प वृक्ष'' के किनारे बनवाई गई। कल्पवृक्ष वह प्रसिद्ध वृक्ष है जो संपूर्ण भारत में यहीं पाया जाता है और जो मनोवांछित फल के लिये प्रसिद्ध है।



#### अंधेश्वर पार्श्वनाथजी

यह मंदिर बाँसवाड़ा जिले कुशलगढ़ तहसील की पहाड़ी पर स्थित है। यह अत्यन्त प्रसिद्ध जैन मन्दिर है जो 10वीं शताब्दी में दिगम्बर पंचायत द्वारा बनवाया गया था।



### अर्थुन



यह जैन मंदिरों की श्रृंखला है जिनका 11, 12 व 15वीं सदी में निर्माण हुआ था। अत्यन्त सुन्दर शिव—पार्वती व गणेश जी की मुर्तियो की नक्काशी व नन्दी (शिव जी की वाहन बैल) की मूर्ति मंदिर के बाहर स्थापित है।

#### डाइलाब तालाब

यह एक अत्यन्त रमणीक स्थल है। कहा जाता है कि पाण्डव अपने वनवास के समय में यहाँ ठहरे थे एवं एक सुरंग के द्वारा वर्षा काल में डाइलाब से घोतिया जाया करते थे। इस तालाब में अत्यन्त लुभावने कमल पाये जाते है।



#### कागदी पिकअप वियर

यह मुख्य शहरी सीमा से 3 कि.मी. दूर रतलाम रोड़ पर स्थित पर्यटन स्थल है जहाँ फव्वारे, पार्क, झूले आदि है। यह माही बजाज सागर प्रोजेक्ट का एक हिस्सा है।

# भीम कुण्ड



यह स्थान चारों तरफ से पहाड़ियों से घिरा हुआ है। इसे "फटी खान" भी कहा जाता है। क्योंकि इसमें एक गुफा है जो चट्टानों के कटने से बनी है। यहाँ अत्यन्त उण्डे जल का कुण्ड है। कहा जाता है कि इस गुफा में श्री राम चन्द्र जी अपने वनवास के दौरान उहरे थे।

#### तलवाड़ा

तलवाड़ा में सूर्य देव का प्रचीन मंदिर है साथ ही गणेशजी, लक्ष्मीनारायण व जैनियों के साम्भरनाथ के मंदिर भी है। यहाँ मूर्तियाँ काले पत्थर की बनी हुई है।

# मानगढ़ चोटी (पहाड़ी)

यह भीलों का एक महत्वपूर्ण स्थान है और यहाँ मार्गशीघ्र पूर्णिमा पर बड़ा मेला लगता है जिसमें राजस्थान, गुजरात व मध्यप्रदेश के भील अपने गुरू गोविन्द गिरी को श्रृद्धांजली देते है।

#### परहीड़ा

यह गारी की पहाड़ियों में स्थित भगवान शिव का मंदिर है जो मण्डलीक द्वारा बाँसवाड़ा से 22कि.मी. दूर बनवाया गया था। इसे सिटी पैलेस या श्री राज मंदिर भी कहा जाता है। यह 16वीं सदी में बनवाया गया था।

# **OUR PARTNER'S**











City Managers' Association Rajasthan, Room. No. 410, Directorate of Local Bodies G-3 Rajmahal Residency, Near Civil Lines, Railway Crossing, Jaipur - 302015, Telefax: 0141-2229966, www.cmar-india-org, E mail-cmar.rajasthan@gmail.com